साना साना हाथ जोड़ि

मधु कांकरिया

प्रदत्त कार्य-1 : किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर हिन्दी, अंग्रेजी के महीनों के नाम एवं तिथियां दर्शाते हुए कैलेण्डर तैयार करना।

उद्देश्य :

- रचनात्मकता की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- प्रकृति प्रेम की भावना विकसित करना।
- हिन्दी की तिथियों एवं महीनों का ज्ञान कराना।
- कल्पना शक्ति का विकास करना।
- सहभागिता की प्रवृत्ति का विकास करना।
- लेखन कौशल की अभिवृद्धि करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विषय की पूर्ण जानकारी देंगे।
3. गतिविधि से दो दिन पूर्व शिक्षक छात्रों से कैलेण्डर बनाने की सूचना देंगे तथा कक्षा को समूहों में विभक्त कर देंगे।
4. प्रत्येक समूह को एक एक महीने का कैलेण्डर बनाने के लिए कहा जाएगा। जनवरी से दिसम्बर तक के महीने। एक-एक महीने के हिसाब से छात्रों को बता दिए जायेंगे तथा सभी विद्यार्थी संबंधित महीनों की तिथियां देख कर या उत्तर पुस्तिका में लिख कर लाएंगे ताकि गतिविधि के दिन उन्हें तिथियां लिखने में आसानी हो। कैलेण्डर बनाने की आवश्यक सामग्री जैसे पेपर, स्केच पैन, रंग इत्यादि विद्यार्थी गतिविधि के दिन लेकर आएँगे।
5. गतिविधि के समय प्रत्येक समूह अपने निर्धारित माह के लिए एक प्राकृतिक दृश्य चित्रित करेगा तथा नीचे तिथियां, हिन्दी तथा अंग्रेजी और महीनों के नाम दर्शाए जाएँगे।
6. इस गतिविधि के लिए 30 मिनट का समय दिया जाएगा। सभी विद्यार्थियों का प्रतिभागी होना आवश्यक है।

(चित्र के साथ तिथियां अलग से पेपर पर लिखकर लगाई जा सकती है इससे समय की बचत होगी) अलग-अलग विद्यार्थी अलग-अलग कार्य करेंगे।

7. कैलेण्डर तैयार करने के बाद प्रत्येक माह के कैलेण्डर कक्षा में लगा दिए जाएंगे
8. गतिविधि के दौरान शिक्षक छात्रों का निरीक्षण करेंगे।
9. मूल्यांकन के आधार प्रारम्भ में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जायेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय से संबंधित चित्रण
- साज सज्जा
- माह एवं तिथियां
- समग्र प्रभाव

टिप्पणी :

- मूल्यांकन के आधार शिक्षक स्वयं निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी रचना के लिए विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- छात्रों को हिन्दी तथा अंग्रेजी महीनों के अन्तर स्पष्ट किए जाएँ।
- हिन्दी माह जहां से भी शुरू हो छात्र वहीं से अपने अपने कैलेण्डर में लिखें तथा पिछले माह को भी पूरा कराया जाए जैसे यदि हिन्दी माह 15 तारीख से प्रारम्भ होता है तो 1 से 14 पर भी हिन्दी तिथियां लिखाई जाएँगी।

प्रदत्त कार्य-2 : कविताओं का चयन एवं वाचन।

विषय : फौजियों के योगदान से परिचित कराना।

उद्देश्य :

- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास करना।
- देश भक्ति की भावना का विकास करना।
- फौजियों के प्रति संवेदनशील बनाना।
- मौलिकता की प्रवृत्ति का विकास करना।
- कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. अध्यापक सर्वप्रथम विषय की जानकारी देंगे। फौजियों के जीवन पर चर्चा करेंगे।
3. प्रत्येक छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका में उपर्युक्त विषय पर कल्पनाशीलता से एक अनुच्छेद लिखेगा।
4. सोचने तथा लिखने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा।
5. इस दौरान अध्यापक छात्रों का निरीक्षण करेंगे।
6. मूल्यांकन के आधार शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे।
7. लेखन के पश्चात् सभी छात्रों से लेखों को पढ़कर सुनाने के लिए कहा जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय से संबद्धता
- क्रमबद्ध विचाराभिव्यक्ति
- भाषायी दक्षता तथा लिखावट

टिप्पणी :

- मूल्यांकन के आधार शिक्षक स्वयं निश्चित करने के लिए स्वतंत्र है।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी रचनाओं के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाए।
- शिक्षक अच्छी रचनाओं को कक्षा में पढ़वाए जिससे उन छात्रों को भी प्रेरणा मिले जो ठीक प्रकार से विचाराभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं।

प्रदत्त कार्य-3 : कार्य-प्रपत्र

विषय : गंतोक की जानकारी।

उद्देश्य :

- सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
- सृजनात्मकता का विकास कराना।
- खोजपरक प्रवृत्ति का विकास करना।
- विभिन्न राज्यों के प्रति जुड़ाव महसूस कराना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. विषय की जानकारी दो दिन पूर्व दी जाएगी तथा छात्रों को विभिन्न राज्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
3. गतिविधि के समय निम्नलिखित कार्य प्रपत्र शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे (यह कार्य प्रपत्र छाया प्रतिलिपि (फोटो स्टेट) द्वारा भी भरवाया जा सकता है)
4. सभी छात्र ध्यानपूर्वक उत्तरपुस्तिका में लिख लेंगे।

कार्य प्रपत्र

1. किसी एक राज्य एवं उसकी राजधानी का नाम

   .....

2. राज्य की प्रमुख वेशभूषा

   .....

3. खान-पान

   .....

4. वहां की प्रमुख भाषा (बोली)

   .....

5. प्रसिद्ध लोक नृत्य

   .....

6. प्रसिद्ध पर्यटन स्थल

   .....

7. प्राकृतिक सौन्दर्य

   .....

8. जलवायु

   .....

9. खेती, उपज

   .....

10. प्रसिद्ध व्यक्ति

    .....

5 उपर्युक्त कार्य प्रपत्र भरने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा।

6. शिक्षक कार्यप्रपत्र भरवाने के पश्चात् उन्हें एकत्र कर सुविधानुसार मूल्यांकित करेंगे या छात्रों से मूल्यांकन कक्षा में ही कराया जा सकता है।

7. मूल्यांकन के आधार शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- प्रविष्टियां सही होने पर

प्रतिपुष्टि :

- सभी जानकारियां सही होने पर विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- शिक्षक सभी राज्यों के विषय पर संक्षिप्त चर्चा करें ताकि विद्यार्थी अधिक से अधिक राज्यों की जानकारी प्राप्त कर सकें।
- जिन छात्रों का कार्य संतुष्टिजनक नहीं हुआ हो उनकी अन्य छात्रों की सहायता से मदद की जाए।

प्रदत्त कार्य-4 : संवाद लेखन

विषय : पर्यटक एवं पर्यटन गाइड के बीच।

उद्देश्य :

- पर्यटन की ओर रुचि बढ़ाना।
- वाचन कौशल का विकास करना।
- सामान्य ज्ञान का विकास करना।
- सहभागिता की प्रवृत्ति का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. अध्यापक सर्वप्रथम विषय पर चर्चा करेंगे तथा पर्यटन में गाइड का महत्व समझाएँगे।
3. दो दो छात्रों का समूह बनाया जाएगा। एक छात्र पर्यटक तथा दूसरा गाइड की भूमिका निभाएगा।
4. इस गतिविधि की सूचना एक दिन पूर्व दी जाएगी।
5. विद्यार्थी अपने शहर में देखे हुए किसी स्थल विशेष पर संवाद तैयार करेंगे जैसे यदि दिल्ली में हैं तो

कुतुबमीनार, इंडियागेट, लालकिला आदि हो सकते हैं अन्यथा आपका विद्यालय, बाजार, घर का रास्ता आदि विषय भी हो सकते है। गाइड बना विद्यार्थी संबंधित विषय के संबंध में गाइड करेगा तथा दूसरा पर्यटक बना छात्र प्रश्न पूछेगा।

6. संवाद पांच से दस वाक्यों में हो सकते हैं।
7. संवाद तैयार करने के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा।
8. शिक्षक इस बीच सभी छात्रों की गतिविधि का निरीक्षण करेंगे
9. मूल्यांकन के आधार श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएंगे।
10. संवाद तैयार करने के पश्चात् प्रस्तुतीकरण के लिए 1–1 मिनट का समय दिया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय की जानकारी
- स्पष्ट एवं सार्थक संवाद
- भाषा / प्रस्तुतीकरण / हाव भाव

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे एवं सार्थक संवाद करने वाले छात्रों की सराहना की जाए।
- छात्रों को शिक्षक यह जानकारी भी अवश्य दें कि पर्यटन को किस प्रकार आजीविका का साधन बनाया जा सकता है।

प्रदत्त कार्य–5 : सही / गलत के निशान लगाना।

विषय : पाठ पर आधारित वाक्यांश।

उद्देश्य :

- विषय की पूर्ण जानकारी देना।
- चिंतन मनन की प्रवृत्ति का विकास करना।
- निर्णय क्षमता का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।

2. यह गतिविधि शिक्षक पाठ को पढ़ाने के पश्चात् कराएँगे।

3. छात्रों को प्रारम्भ में ही इसके संकेत दे दिए जाएं।

4. अध्यापक नीचे दिए गए वाक्यांशों को श्यामपट्ट पर लिख देंगे तथा छात्रों से सावधानी पूर्वक उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहा जाएगा। वाक्यांश के सामने बने बॉक्स में सही के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का चिन्ह लगाने के लिए कहा जाएगा।

5. यह कार्य छाया प्रतिलिपि (फोटो स्टेट) के माध्यम से भी कराया जा सकता है।

कार्य प्रपत्र

सही / गलत चुनिए:-

1. गैंगटॉक शहर इतिहास और वर्तमान के संधि स्थल पर खड़ा मेहनतकश बादशाहों का शहर है। ☐
2. जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु हो जाती है, उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएं फहरा दी जाती हैं। ☐
3. कवी-लोंग स्टॉक में लेपचा और भुटिया सिक्किम की स्थानीय जातियों का संधि स्मारक एक पत्थर है। ☐
4. सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल एक प्रसिद्ध स्थान का नाम है। ☐
5. लायुंग झेलम नदी के तीर पर बसा लकड़ी का एक छोटा सा घर है। ☐
6. 'कटाओ' भारत का स्विट्जरलैंड माना जाता है। ☐
7. कवी-लोंग स्टॉक में फिल्म 'आलमआरा' की शूटिंग हुई थी। ☐
8. सिक्कमी युवती का स्वयं को इंडियन कहना देशद्रोही होने का प्रतीक है। ☐
9. धर्म चक्र (प्रेयर व्हील) घुमाने से मनुष्य अमर हो जाता है। ☐
10. जल संचय के लिए प्रकृति बर्फ के रूप में जल संग्रह कर लेती है। ☐

6. उपरोक्त कार्य के लिए विद्यार्थियों को 15 मिनट का समय दिया जाएगा।

7. इस प्रक्रिया के दौरान शिक्षक कक्षा में घूम कर निरीक्षण करेंगे।

8. कार्य पूर्ण होने पर अध्यापक सभी विद्यार्थियों से प्रपत्र एकत्र कर लेंगे तथा फिर से विद्यार्थियों के बीच इस प्रकार वितरित करेंगे जिससे किसी दूसरे का प्रपत्र ही सबको मिले।

9. विद्यार्थियों की सहायता से इसका मूल्यांकन कराया जा सकता है। शिक्षक सबका उत्तर बताएंगे तथा विद्यार्थी प्रत्येक सही प्रविष्टि पर 1 अंक के हिसाब से अंक देंगे (अध्यापक सुविधानुसार भी मूल्यांकन कर सकते हैं)

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- प्रत्येक सही उत्तर के लिए अंक

प्रतिपुष्टि :

- सभी उत्तर सही देने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- विद्यार्थियों से मूल्यांकन कराने के लिए अध्यापक चाहे तो जिस समय विद्यार्थी प्रपत्र भरें उस समय कोई गुप्त नम्बर भी दे सकते हैं जिसकी जानकारी केवल अध्यापक को ही होगी।
- अध्यापक की सुविधा के लिए वाक्यांशों के सही विकल्प दिए जा रहे हैं।

1. √	2. √	3. √	4. X	5. X
6. √	7. X	8. X	9. X	10. √